हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 सितंबर 2025

11 ओवरब्रीज के सर्विस रोड पर काम हुआ शुरू...

12 महाराजा अग्रसेन का जीवन संघर्ष व समाज के ...

खबर संक्षेप

नसीब कारीमोद किसान सभा के हलकाध्यक्ष बने

बाढ़ड़ा। अखिल भारतीय किसान सभा बाढ़डा ब्लॉक का सम्मेलन रविवार को कस्बे कि अनाज मंडी में हुआ। सम्मेलन में 17 सदस्यीय जिला कमेटी का चुनाव किया गया जिसमें ब्लॉक प्रधान नसीब मोद ब्लॉक सचिव सत्यवान पचगांव, हवा सिंह प्राचार्य को कैशियर चुना गया। ब्लॉक सम्मेलन ने पंजाब में आई भयंकर बाढ़ के पीड़ित लोगों की मदद के लिए गांव -गांव से बढ़ चढकर सहयोग करने का आह्वान किया है। किसान सभा ने बीमा क्लेम के लिए बाढड़ा धरने को मजबूत करने का आह्वान किया किसान सभा राज्य स्तर के किसानों को मुद्दों को लेकर चार अक्टूबर को फतेहाबाद में होने वाली राज्य स्तरीय किसान पंचायत में बढ चढकर शामिल होने का आह्वान किया है

सीएम विंडो इमीनेंट पर्सन बनाने पर जताया आभार

लोहारू। बीते दिवस विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए सीएम विंडो इमीनेंट पर्सन की जारी हुई सूची में लोहारू विधानसभा क्षेत्र से राजेश चहड़िया सुभाष सैनी और बहल के सुनील शर्मा को सीएम विंडो इमीनेंट पर्सन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। राजेश चहडिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक और भिवानी महेंद्रगढ़ सांसद चौ धर्मबीर सिंह का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है। उसका वे बखूबी निर्वहन करेंगे। लोहारू के सुभाष सैनी और बहल के सुनील शर्मा ने मुख्यमंत्री , पूर्व मंत्री जेपी दलाल और जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे भाजपा सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाएंगे।

मंढाणा को किया जल ने कैद, सभी रास्ते पानी ने किए सील

बैंक, अस्पताल और स्कूल में पानी मुर्दा फूंकने के लिए भी नहीं है जगह

भिवानी। गांव मंढाणा जमा पानी को दिखाते ग्रामीण और गांव मंढाणा में जमा पानी का दृश्य।

खेतों में ही नहीं बल्कि रिहायशी कॉलोनियों में अभी भी तीन से चार फुट तक बारिश का पानी जमा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अगस्त के अंतिम सप्ताह व सितम्बर के पहले सप्ताह में बारिश ने ऐसा सितम ढहाया कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। जिले का कोई ऐसा गांव नहीं बचा होगा कि जिसको जल ने कैद न किया हो।

खेत ही नहीं बल्कि रिहायशी कॉलोनियों में अभी भी तीन से चार फुट तक बारिश का पानी जमा है। लोगों के मकान दरकने लगे हैं। जिनके अंदर जाने से लोग कतरा रहे है। अकेले बवानीखेड़ा हलके में इस तरह के गांवों की संख्या करीब दो दर्जन से ज्यादा बनी है,लेकिन सबसे बुरी स्थिति गांव मंढाणा व जाटू लोहारी की बनी है। बाहरी कॉलोनियों में ज्यादा पानी जमा होने से स्कूल, अस्पताल जलमग्न है। जिस वजह से न तो लोगों का इलाज हो रहा है और न ही बच्चों की पढाई हो पा रही है। वहीं इन दोनों गांवों में मुर्दा फूंकने तक कि जगह नहीं बची है। अगर कोई अनहोनी हो जाए तो मुर्दा दफनाने या फूंकने की नौबत आ जाएगी।

हैरानी की बात यह है कि इतना कुछ होने के बावजूद भी प्रशासन कुंभीकरणी नींद सोया है। अगर यही हालात रहे तो इन गांवों के ढलान वाले इलाकों की बस्ती के लोग पलायन करने पर मजबूर हो जाएंगे।

दो नहरों व ड्रेनों का सेंटर होने के कारण डूबा मंढाणा

गांव के लोगों का कहना है कि उनका गांव दो नहरों व दो ड्रेनों का सेंटर बना हुआ है। नहरों की वजह से खेतों व गांव में भूमिगत पानी उपर आ गया और खेतों में बहने लगा। इसी तरह ड्रेन ओवरफलो हो गई और गांव को डूबो दिया। गांव के खेतों में तीन से चार फुट तक ड्रेनों के ओवरफलो होने से पानी जमा हो गया है। फसलें पूरी तरह से खतम हो गई है। चारों तरफ से पानी आकर उनके गांव में जमा हो रहा है। बार-बार डीसी के पास गए, पर आश्वासन मिला, लेकिन समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ने बाढ़ नियंत्रण के लिए जो करोड़ों रूपये जारी किए, वो हमारे गांव के हिस्से में भी आने चाहिए। यही नहीं, कई ग्रामीणों का कहना है कि अगली फसल की बिजाई संभव नहीं। उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय है। जिनके बच्चे सरकारी नौकरी या बाहर काम करते है, केवल वही रोटी खा पाएंगी। बाक़ी के लिए ये फ़सल बर्बाद होने व अगली की बिजाई संभव ना होने से भुखमरी के हालात पैदा होंगे।

श्मशान घाट में दो से ढाई फुट तक पानी

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि आलम ये है कि गांव में मुर्दे फूंकने तक की जगह नहीं बची। गांव के श्मशान घाट में दो से ढाई फुट तक पानी जमा है। यही स्थिति गांव लोहारी जाटू के जगन्नाथ मंदिर के पास बने श्मशान घाट की है। श्मशान घाट के रास्ते पर तीन से चार फुट तक पानी जमा है। साथ ही श्मशान घाट में एक फुट तक पानी जमा है।

■ मंढाणा व जाटू लोहारी के ढलान वाले इलाकों की बस्ती के लोग पलायन करने पर मजबूर हो जाएंगे

दरकने लगे आशियाने

मंढाणा गांव में प्रवेश करने वाले सारे रास्ते व सड़कें जलमग्न हैं। सरकारी स्कूल से लेकर बैंक, अस्पताल व खेल स्टेडियम पानी भरने से बंद पड़े हैं। खेतों का तो हाल और भी बुरा है। कपास व बाजरे की फसलें खत्म हो चुकी हैं। पानी भरने से सरकारी स्कूल कई दिनों से बंद है। ना बच्चे पढ़ पा रहे, ना खेल पा रहे। यही स्थिति जाटू लोहारी की बनी है। गांव की बाहरी कॉलोनियों में तीन से चार फुट तक बारिश का पानी जमा है। जिस वजह से लोगों ने अपने मकानों को खाली कर दिया। पानी के चलते मकानों में दरारे भी आ गई है। अगर यही स्थिति रही तो जल्द ही ये मकान भरभरा कर गिरने शुरू हो जाएंगे। पानी की निकासी नहीं होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

लोग बोले प्रशासन नहीं कर रहा समाधान

बवानी खेड़ा में प्राकृतिक आपदा से लोग परेशान

■ जमालपुर रोड पर लोगों को घर से बाहर निकले हुए काफी समय हो चुका है, सागवान गांव जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

आसमान से बरसी प्राकृतिक आपदा ने एक तरफ पंजाब को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया वहीं हरियाणा में भी कई जिले इसकी चपेट में अधिक है और त्राहीमाम-त्राहीमाम कर रहे हैं। हालांकि विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा प्रधान सुंदर अत्री, सचिव संदीप गर्ग, जन स्वास्थ्य विभाग पूरी टीम सहित इस समस्या के समाधान में जुटे हुए है लेकिन कामयाबी हासिल नहीं हुई है। अगर बात की जाए तो पिछले कई महीनों से बवानी खेड़ा में भी बुरा हाल है। अनेक वार्ड की गलियां बिल्कुल सुनी हो गई है। घरों में पानी जमा है, आने जाने का कोई रास्ता नहीं है।

इन गलियों की विरानगी बताती है कि सागवान गांव जैसा हाल इन वार्डों की गलियों में हो गया है। शहरवासियों में महेन्द्र कुमार, रमन कुमार, लक्ष्मण, महेन्द्र, कुलदीप, सोमबीर वाल्मीकि, प्रवीण कौशिक, मुकेश कुमार, बलजीत राणा, भानु पाराशर, परमजीत रंगा, जोगेन्द्र, धर्मेन्द्र बल्हारा, दिनेश, पंकज यादव, रोहताश, अजीत आदि ने बताया कि शहर की शुरूवात हांसी चुंगी से की जाए तो वहां लबालब सड़कों पर पानी जमा है, अक्सर वहां वाहनों का जाम लग जाता है। जमालपुर रोड़ पर लोगों को घर से बाहर निकले हुए काफी समय हो गया है, घरों में कैद हो गए हैं। वहीं बिजली निगम के आमने-सामने वार्ड की गलियां सूनी पड़ी है, दादी गौरी मंदिर बस्ती हो या सुदी तालाब सब जगह पानी ही पानी है। विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि वे स्वयं इस आपदा से निपटने के लिए कमान संभाले हुए हैं। निकासी के लिए बड़ी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। वहीं नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि वे नपा कर्मचारियों, पार्षदों, पब्लिक हेल्थ टीम सहित रात को स्वयं मोर्चा संभालते हैं।

जूते-चप्पल निकालकर कर्मचारी दे रहे हैं ड्यूटी

नगर पालिका कार्यालय में आने जाने के लिए कर्मचारियों को स्वयं जूते-चप्पल निकालकर अपनी ड्यूटी देनी पड़ रही है तो वहीं आए दिन आगंतुक पानी में गिरकर चोटिल होते हुए दिखाई देते हैं। पूरी मार्किट में लबालब गंदा पानी जमा है। जो एकाध बार निकल जाता है और फिर वहीं जमा हो जाता है। नपा कार्यालय के नीचे स्थित दुकानों में चोआ आने से नपा कार्यालय पर भी संकट के बादल छा गए हैं। नागरिक अस्पताल में भवन में लोगों का जाने को मन नहीं करता। अस्पताल के साथ लगती बस्ती में दर्जनों मकान पानी की भेंट चढ़कर जमीन में धस गए हैं और लोगों की जीवन भर की पूंजी समाप्त हो गई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन चाहे तो क्या नहीं कर सकता।

विश्वकर्मा दिवस पर 17 को होने वाले राज्यस्तरीय प्रदर्शन में करेंगे हिस्सेदारी

बाढड़ा। गांव कारी धारणी, बाढडा, बेरला आदि में निर्माण मजदूरों कि बैठक हुई। जिसमें मजदूरों की समस्याओं को लेकर विचार विर्मश किया गया। मजदूरों को संबोधित करते हुए भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू के जिला संयोजक सुमेर सिंह, रोशन लाल धारणी ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश व ड्रेन या नहर टूटने से बाढ़ के हालात बने है, जिसके चले आम जन को अपने घर छोडने पड़े है। निर्माण मजदूर भी इस से प्रभावित हुए है, बहुतों के मकान गिर गए है, बारिश के चलते निर्माण के काम भी बुरी तरह प्रभावित हुए है। मजदूरों के लिए रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। इसलिए वर्तमान समय में जरूरी यह है कि निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड का पोर्टल खोला जाए व मजदूरों को राहत प्रदान की जाए।

■ निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड का पोर्टल खोलने की मांग रखेंगे

राजस्व विभाग की टीम ने जलभराव से खराब फसलों का किया निरीक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

उपायुक्त डॉ मुनीष नागपाल के निर्देशों पर एसडीएम योगेश सैनी ने रविवार को राजस्व विभाग की टीम के साथ क्षेत्र के गांव निमडी, झोझू कलां, कलाली के खेतों में जाकर किसानों की खराब हुई फसलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसानों की खराब हुई फसलों का राजस्व विभाग की टीम खेत-खेत जाकर सर्वे कर रही है और सटीक आंकड़े रिपोर्ट में दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से फसल खराबे के बारे में विस्तार से चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हुई बारिश से कपास, बाजरा और अन्य फसलें भारी रूप से प्रभावित हुई हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ा है। उन्होने किसानों को आश्वस्त किया कि फसलों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उनकी फसल खराबे की समस्या और नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर जल्दी ही सरकार को भेजी जाएगी ताकि समय पर मुआवजा दिलवाया जा सके।

चरखी दादरी। फसल का आंकलन करने एसडीएम।

दुर्जनपुर में बरसाती पानी का कहर आपदा ने दर्जनों घरों की छीनी छत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव दुर्जनपुर में बरसाती पानी ने अपना कहर बरपाया है। जिसके तहत दर्जनों लोगों के सिर से छत हट गई है।

हवा सिंह, प्रीतम पुत्र रमेश कुमार, प्रीतम पुत्र राजेन्द्र की मानें तो बरसाती पानी से उनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए और घर में मौजूद बैड, चक्की, अलमारी, टीवी, चारपाई, कुर्सी, पंखें, कृषि उपकरण, समस्त घरेलू सामान मकान सहित पानी की भेंट चढ़ गए। जिसके कारण उनका पूरा मकान तबाह हो गया। उन्होंने अपने दुधारू व पालतु पशुओं को बड़ी मुश्किल से निकाला और अपने परिजनों व किसी ने अपनी रिश्तेदारी में पहुंचकर शरण ली। वहीं पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से गुहार लगाई की उन्हें उचित मुआवजा दिलवाया जाए।

बवानीखेड़ा। गांव दुर्जनपुर में प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए मंजर का फोटो।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 15 तक कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

भिवानी। अधिक वर्षा या जलभराव से किसानों की फसलों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सरकार द्वारा 15 सितंबर तक ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है, जिस पर किसान अपनी फसल खराबे की जानकारी अपलोड कर सकते हैं। डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि जिला में भारी वर्षा और जलभराव की वजह से जिन गांवों में किसानों की फसल खराब हुई है, वे किसान अपनी फसल खराबे की भरपाई के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर सोमवार, 15 सितंबर पंजीकरण तक करवा सकते हैं। जिला राजस्व अधिकारियों द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर प्राप्त दावों का विशेष गिरदावरी के रूप में सत्यापन किया जाएगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर लगाया 1.03 लाख जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ आरओ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ सुनील श्योराण के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में 26 चालान काटे गए

सरकार के निर्देश पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने शहर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। आरओ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ सुनील श्योराण के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में 26 चालान काटे गए, जिसकी एवज में 1.03 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। जिसमें से 71,000 मौके पर वसूल किए गए। वहीं 90 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया।

डॉक्टर श्योराण ने बताया कि सरकारी अधिसूचना के अनुसार 120 माइक्रोन से कम प्लास्टिक कैरी बैग, 60 जीएसएम से कम नॉन-वोवन बैग, थर्माकोल सामग्री, प्लास्टिक बर्तन, पतले पीवीसी बैनर, स्टिरर, गुटखा/पान मसाला सैशे एवं रिसाइकल्ड प्लास्टिक कंटेनर प्रतिबंधित हैं। उन्होंने नागरिकों व व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि कपड़े, जूट व सीपीसीबी प्रमाणित कम्पोस्टेबल बैग का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा छापेमार कार्रवाई में चालान काटने का अभियान जारी रहेगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर बड़ी कार्रवाई , 52 हजार रुपये का जुर्माना लगाया, 67.4 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक बरामद

चरखी दादरी। दादरी में हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 67.4 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक बरामद करते हुए 52 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। हरियाणा सरकार के निर्देशों पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने अधिनियम 1998 तथा अधिसूचना के तहत दादरी में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 6 चालान काटे गए और 52 हजार का जुर्माना लगाया गया। टीम ने 67.4 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जब्त की है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार 120 माइक्रोन से कम प्लास्टिक कैरी बैग, 60 जीएसएम से कम नॉन-वोवन बैग, थर्माकोल की सामग्री, प्लास्टिक के बर्तन, पतले पीवीसी बैनर, गुटखा तथा रिसाइकल्ड प्लास्टिक कंटेनर पूर्णत प्रतिबंधित हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम अधिकारियों ने कहा कि प्लास्टिक थैली में खाद्य पदार्थ रखने से बीमार लगने का खतरा बना रहता है। इससे कैंसर जैसी भयंकर बीमारी भी लग सकती है।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के बाबा बंदा सिंह बहादुर गुरुद्वारा के सामने स्थित वार्ड 8 में भरा बरसाती पानी। फोटो: हरिभूमि

प्रशासन से टूटी उम्मीद तो वार्डवासियों ने निजी कोष से वार्ड को संभाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

■ वार्डवासी बोले प्रशासन के भरोसे रहते तो छतों से महरूम हो जाते
■ अपने खर्चे से गली में बनाए मिट्टी के बंध
■ गली में आने लगा था चोए का पानी

बवानीखेड़ा के बाबा बंदा सिंह बहादुर गुरुद्वारा के सामने स्थित वार्ड 8 में बरसाती, चोए के पानी के गली में आने व उनके बार बार प्रशासन से गुहार लगाने से समाधान नहीं हुआ। जिसको लेकर वार्डवासियों ने एकजुटता का प्रमाण देते हुए समस्त वार्डवासियों ने अपने निजी कोष से गली में पुख्ता प्रबंध किए ताकि उनकी गली में पानी की निकासी हो सके व दोबारा उनके वार्ड में पानी आकर घरों में दस्तक न दे सके।

वार्डवासियों में सुरेन्द्र, काले, राजेश, मुकेश, भोला, गुलाब, नरेश, कैलाश, मनोज आदि ने बताया कि उनके वार्ड की गलियों में कभी पानी जमा नहीं हुआ। अब ऐसा जमा हुआ की निकलने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि प्रशासन निकालने के दावे करता है लेकिन हालात सुधरने की बजाए बिगड़ते जा रहे हैं। इसी को लेकर उन्होंने मिलकर निर्णय लिया और सभी ने रुपये एकत्रित करके समाधान निकाला और इसे अमलीजामा पहनाते हुए गली में मिट्टी के बंधे आदि लगाने का कार्य किया। ताकि पानी उनकी तरफ आकर नुकसान न कर सके। वहीं वार्डवासियों ने प्रशासन को भी चेताया कि समस्या बीत जाने पश्चात सहायता का कोई फायदा नहीं होता। इसलिए वक्त पड़ने पर प्रशासन को समस्या का समाधान करना चाहिए।

सादुलपुर के शुरू रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में सत्संग का आयोजन

सत्संग से बढ़कर कोई तीज त्योहार नहीं: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सत्संगियों को जितना चाव सत्संग का होता है उतना जीवन में किसी और चीज का नहीं होता क्योंकि सत्संग से बढ़कर कोई तीज त्यौहार नहीं। सत्संग वो सूर्य है जिसके जीवन में उदय होने से अज्ञान रूपी अंधकार को समाप्त हो जाता है। इंसानी चोले का मुख्य उद्देश्य सत्संग की प्राप्ति ही होता है।

यह सत्संग वाणी परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने सादुलपुर के शुरू रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाई। हुजूर कंवर साहेब महाराज ने फरमाया कि इंसान भटकाव में पड़कर दुनियादारी में और ज्यादा फंसता है। कोई पूजा पाठ में उलझा है तो कोई तीर्थ वर्त में कोई देव भेव में उलझा है तो कोई वास्तु में। सत्संग इसी उलझन को खत्म कर आपके अंतर में विवेक जगाता है। जिसका विवेक जाग जाता है उसको जीवन का अर्थ भी समझ आ जाता है। पाखंड इंसान को कर्महीन बनाता है। गुरु महाराज ने कहा कि जब दुनियादारी में कोई जब थोड़ी सी भी मदद कर देता है तो आप उसके अहसानों से दब जाते हो लेकिन जिस परमात्मा ने सब कुछ दिया है उसका अहसान मानते ही नहीं। उन्होंने कहा कि मेहनत का फल कभी वृथा नहीं जाता। काम ही पूजा है लेकिन काम सत्कर्म से जुड़ा हो तो। तीनों युग इंसान के हाथ में हैं। जो वर्तमान है वह महत्वपूर्ण है। इसको परहित पर उपकार में ढाल कर हम अपने भविष्य को भी संवार लेंगे और भूत में हुई गलतियों की माफी भी पा जाएंगे।

सहारा बनाओ तो केवल परमात्मा को बनाओ

हुजूर कंवर साहेब ने उपस्थित साध संगत को चेतावनी देते हुए कहा कि स्वावलंबी बनो। सहारा बनाओ तो केवल परमात्मा को बनाओ। परमात्मा के नाम में रमें रहो क्योंकि रमें का ही नाम राम है। नाम बीज भी संतो का पकाया हुआ पिरोवो तभी भक्ति का वृक्ष पनपेगा। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म को पाना चाहते हो तो सूक्ष्म बनना पड़ेगा। स्थूल में रह कर हम सूक्ष्म को नहीं पा सकते। गुरु महाराज ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी धर्म से दूर होती जा रही है। दुनिया के झूठे स्वाद में हम आत्मसुख खो रहे हैं। सच्ची खुशी सच्चे नाम में है। आज की पीढ़ी मां बाप को बिसरा रही है इसका दोष भी स्वयं मां बाप का ही है क्योंकि मां बाप के पास समय नहीं है अपनी संतान के लिए।

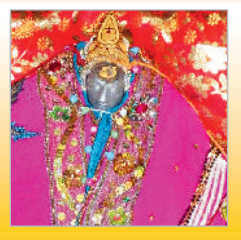

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जहाज कोठी, जो बन गई इतिहास का आईना

समुद्री जहाज़ जैसी आकृति के कारण इसे जहाज कोठी नाम मिला। आज यह क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है, जहां सिंधु-सरस्वती सभ्यता से लेकर मध्यकालीन मूर्तियों और स्थापत्य अवशेषों तक 193 दुर्लभ कलाकृतियां संरक्षित हैं।

धरोहर

डॉ. प्रियंका सौरभ

हिसार का फ़िरोज़ शाह पैलेस परिसर अपने आप में इतिहास का खज़ाना है। इसी परिसर में स्थित जहाज कोठी अपनी अनोखी बनावट और रोमांचक अतीत के कारण विशेष महत्व रखती है। 18वीं शताब्दी का यह जैन मंदिर बाद में विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बना।

हरियाणा के हिसार शहर का नाम सुनते ही सबसे पहले फ़िरोज़ शाह तुग़लक़ के महल, गुजरी महल, लोहारी गेट और बरसी गेट जैसे स्मारक सामने आते हैं। इन्हीं ऐतिहासिक इमारतों के बीच एक ऐसी कोठी भी खड़ी है, जिसका आकार समुद्र में तैरते जहाज़ जैसा प्रतीत होता है। यही है जहाज कोठी – जो कभी 18वीं शताब्दी का जैन मंदिर थी, फिर विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बनी और आज क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है। यह स्मारक न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि भारत के उस दौर का भी गवाह है जब मराठा, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक सत्ता के लिए संघर्षरत थे। जहाज कोठी का मूल स्वरूप एक जैन मंदिर था।

इतिहासकार मानते हैं कि 18वीं शताब्दी से पहले यहां जैन धर्मावलंबियों ने अपना मंदिर बनवाया था। समय के साथ यह इमारत वीरान होती गई और 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इसे जॉर्ज थॉमस ने अपने निवास में बदल दिया। इमारत की डिज़ाइन इतनी अनोखी है कि देखने पर यह समुद्र में तैरते जहाज़ जैसी लगती है। इसी विशेषता के कारण स्थानीय लोगों ने इसे जहाज कोठी नाम दे दिया। जॉर्ज थॉमस का जीवन किसी उपन्यास से कम रोमांचक नहीं था। उनका जन्म 1756 में आयरलैंड के रोस्क्रिया क्षेत्र में हुआ। पिता गरीब किसान थे जिनका जल्दी निधन हो गया। बाल्यावस्था में उन्होंने डबलिन के गोदीघाट पर मजदूरी की। 1781 में वे ब्रिटिश नौसेना से जुड़कर भारत आए, लेकिन कुछ ही सालों में उन्होंने नौसेना छोड़ दी और एक भाड़े के सैनिक के रूप में उत्तर भारत की राजनीति में उतर आए। शुरुआत में वे पिंडारियों से जुड़े, फिर बेगम समरू की सेना में काम किया। वहां से हटाए जाने के बाद मराठा सरदार अप्पा राव के अधीन कार्य किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग शक्ति तैयार की और सिरसा से रोहतक तक फैले क्षेत्र पर अपना शासन स्थापित कर लिया। हांसी को उन्होंने अपनी राजधानी बनाया और यहां तक कि अपने सिक्के भी ढलवाए। 1796 में उन्होंने जहाज कोठी को अपनी रिहायश के लिए बनवाया और इसे अपनी महत्वाकांक्षा और शक्ति का प्रतीक बनाया। लेकिन उनका शासन अधिक समय तक नहीं चल सका। 1801 में मराठा-सिख-फ्रांसीसी गठबंधन ने उन्हें हराया और 1802 में गंगा नदी पार करते हुए उनकी मृत्यु हो गई। जॉर्ज थॉमस के बाद जहाज कोठी पर कर्नल जेम्स स्किनर का अधिकार हुआ। जेम्स स्किनर एंग्लो-इंडियन थे, जिनकी मां भारतीय और पिता स्कॉटिश अधिकारी थे। उन्हें "सिकंदर साहिब" के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश सेना के लिए दो घुड़सवार रेजिमेंट खड़ी कीं – जिन्हें आज भी स्किनर्स हॉर्स के नाम से भारतीय सेना में जाना जाता है। उन्होंने भी जहाज कोठी को अपने निवास के रूप में इस्तेमाल किया। उनके जीवन से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि दिल्ली में स्थित प्रसिद्ध सेंट जेम्स चर्च (जिसे स्किनर ने बनवाया था) उनकी आस्था और शक्ति का प्रतीक है। जहाज कोठी को देखकर ऐसा लगता है जैसे कोई विशाल समुद्री जहाज़ ज़मीन पर खड़ा हो। इसका निर्माण जली हुई ईंटों, चूने, रेत और सुर्खी से हुआ है। सुर्खी जली हुई ईंटों या मिट्टी को पीसकर बनाई जाती है, जो गारे को मजबूती और टिकाऊपन देती है। इसकी ऊंची बालकनी से जब लोग पानी और नक्शे को देखते तो ऐसा प्रतीत होता मानो जहाज़ में बैठे हों। यह इमारत फ़िरोज़ शाह महल परिसर के भीतर स्थित है और कभी ठंडी सड़क से सीधे यहां पहुंचा जाता था। आज भले ही शहरीकरण के कारण इसका दृश्य बाधित हो गया हो, लेकिन इसके स्थापत्य को देखकर आज भी उस दौर की इंजीनियरिंग और सौंदर्यबोध का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

2009 में हरियाणा सरकार ने इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया और बाद में यहां क्षेत्रीय पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित कर दिया गया। इस संग्रहालय में लगभग 193 कलाकृतियां सुरक्षित हैं। इनमें सिंधु-सरस्वती सभ्यता से जुड़ी वस्तुएं, राखीगढ़ी, कुणाल और बनावली से प्राप्त टेराकोटा आकृतियां, चित्रित मिट्टी के बर्तन और सींग वाले देवता की मूर्तियां प्रमुख हैं। जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियां और जॉर्ज थॉमस का अंग्रेज़ी और फ़ारसी में शिलालेख भी संग्रहालय का हिस्सा हैं। जहाज कोठी का महत्व केवल स्थापत्य या संग्रहालय तक सीमित नहीं है। यह स्थान उस दौर का गवाह है जब भारत की धरती पर सत्ता संघर्ष चरम पर था। मराठे, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक अपने-अपने प्रभाव का विस्तार कर रहे थे और विदेशी साहसी भी यहां सत्ता स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। जहाज कोठी इस इतिहास की जीती-जागती निशानी है। आज यह स्मारक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और हरियाणा राज्य पुरातत्व विभाग की देखरेख में है। संरक्षण की दिशा में प्रयास जारी हैं, परंतु चुनौतियां भी कम नहीं हैं। आसपास के शहरीकरण और अनियोजित निर्माण के कारण इसका दृश्य बिगड़ गया है। यदि इसे सही तरीके से पर्यटन मानचित्र पर स्थान दिया जाए और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो यह हरियाणा ही नहीं, पूरे उत्तर भारत का प्रमुख आकर्षण बन सकता है।

जहाज कोठी केवल एक इमारत नहीं, बल्कि इतिहास, स्थापत्य और संस्कृति का जीवंत संगम है। यह हमें बताती है कि कैसे एक जैन मंदिर विदेशी साहसियों की रिहायश बना और आज संग्रहालय का रूप लेकर हमारे अतीत से जोड़ रहा है। इस स्मारक को देखकर हमें न केवल अपने इतिहास पर गर्व होता है बल्कि यह भी सीख मिलती है कि हर इमारत अपने भीतर एक युग की कहानी समेटे रहती है। जरूरत है तो बस उसे समझने और सहेजने की।

कविता | कृष्ण लाल गिरधर

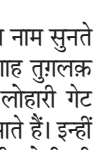

हर मानस नै मरणा हो सै

हर मानस नै मरणा हो सै, और धरती म्ह समावैगा।
गोद इसकी म्ह खेले खाए, आखर म्ह कित जावैगा?
राजा हो ,चाहे हो भिखारी, करती सब का माण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

देख्य सहनशील,रहा कर्म की माता, अन्न धन की खान है।
बख्त उठ चुचकारै इसनै, खेता म्ह जा किसान है।
देख्य दयावान, दानी कहावै, करती सब का कल्याण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

धीरज धरम सिखावण आली, अपनी छाती नै चीरै सै।
तन,मन, धन सब देकै अपना, बिन मांगे रहा जीवै सै।
देख्य कदै ना मरती, कदै ना डरती, रहा हर जीव का प्राण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

गुरुजन गौरव गान

गुरुजन हों सैं ज्योत ज्ञान की, इनके काज सुनहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इनकी काहणी कहरे सैं ।।

'अ' तैं अटल रहवै लक्ष्य पै, 'आ' तैं आच्छया, आभावान।
'इ' तैं इतिहास रुखाळा, बड्डी 'ई' जितणा ईमान-2
'उ' तैं उत्तम और अनुपम, बड्डे 'ऊ' तैं ऊंचा स्थान।
'ऋ' तैं ऋजु, 'ए' तैं एकाग्र, 'ऐ' तैं ऐतबार की खान -2
'ओ' तैं ओजस्वी-सा चेहरा, 'औं' तैं औचित्य गहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'क' तैं कर्मठ, कर्मशील यो, 'ख' तैं खुद्धारी का नाम।
'ग' तैं गहणा मेरे वतन का, 'घ' तैं घटी-बधी पै ध्यान-2
'च' तैं चरित्रवान, चटक यो, सदा रहवै चर्चा की ज्यान।
'छ' तैं तणकै छत्र खड़या यो, छात्र का बणकै अभिमान -2
'ज' तैं जनसेवक, जनप्रिय, 'झ' तैं झण्डे फ़हरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'ट' तैं टिक्का यो मस्तक का, 'ठ' तैं ठाठ-ठिठौली सै।
'ड' तैं डगर दिखावणियाँ यो, सबका दात्ता मेल्ली सै -2
'ढ' तैं ढाळ सुहेली-सी यो, किबै ढारा, किबै हेल्ली सै।
'त' तैं यो तकदीर बणावै, 'थ' तैं थावस गेल्ली सै-2
'द' तैं दयालु, 'ध' तैं धर्मी, 'न' तैं नरोत्तम कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'प' तैं प्रबुद्ध और पवित्र, 'फ़' तैं यो फ़ळदायी सै।
'ब' तैं बुद्धिमान घणा यो, हद तैं घणा सहाई सै-2
'भ' तैं भगत, भला माणस यो, और भाईयां का भाई सै।
'म' तैं मिलनसार, मितभाषी, 'य' तैं यथार्थ परछाई से -2
'र' तैं रक्षक यो मूल्यां का, 'ल' तैं लगनी कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'व' तैं यो विद्वान बताया, 'श' तैं शुभचिंतक क्षण का।
'ष' तैं यो षट्दर्श करावै, 'स' तैं संतोषी मन का -2
'ह' तैं हलीमी खींचणियाँ यो, और हिसाबी सै धन का।
हुनरबाज, होशियार, हिमाती, हितकारी से जन-जन का।
'फूल सिंह' फेर इसकै ऊपर, इतणे तगड़े पहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

धार्मिक नगरी | वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था

अंग्रेजों के साथ बेरी में भी हुआ था एक दिन का युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रापठय पुस्तकों मे बेरी-जहाजगढ़, रोहतक, खरखौदा आदि के युद्धों का उल्लेख नहीं किया गया, जबकि इन सभी उपरोक्त स्थानों पर रक्त रंजित युद्ध हुए हैं।

धार्मिक नगरी बेरी में भी एक दिन का भीषण युद्ध हुआ था। मुगल काल से ही बेरी-दुबलधन नाम से एक संयुक्त परगना कायम था तथा बेरी में एक छोटा किला भी मध्यकाल से ही बनाया गया था जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। आईने अकबरी पुस्तक में बेरी की गढ़ी का वर्णन प्राप्त होता है। उसी गढ़ी में बेरी के जाटों ने इकट्ठे होकर झज्जर के तत्कालीन शासक जॉर्ज थॉमस को ललकारा था। वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को एक आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था। जॉर्ज ने झज्जर में उपयुक्त सैनिक भर्ती करके जमींदारों से कड़ाई से लगान वसूलना आरम्भ कर दिया। इसका बेरी के किसानों ने न केवल विरोध किया बल्कि जॉर्ज से टकराने को भी तैयार हो गए। झज्जर में आए जॉर्ज को एक-दो वर्ष ही हुए थे कि उन्होंने शीघ्र ही तोपें, बन्दूक व काफी युद्ध सामग्री इकट्ठी कर ली। उधर, बेरी वासियों ने भी गढ़ी में आवश्यक तैयारी कर ली जिसके लिए उन्होंने बाहर से भी राजपूत युवक बुला लिए थे।

इंग्लिश की एक पुस्तक में बेरी के युद्ध का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है। जैसा बेरी वासियों को अन्देशा था, जॉर्ज ने वर्ष 1795 के अन्त में बेरी पर आक्रमण कर दिया। तब पूरी तैयारी के साथ बेरी वासियों ने गढ़ी से बाहर निकलकर जॉर्ज के सैनिकों में कत्लेआम मचा डाला और भारी हानि के साथ जॉर्ज की सेना पीछे हटनी आरम्भ हो गई। लेकिन उसके एक घायल सैनिक को बेरी वालों ने जिन्दा ही आग में फेंक दिया। बेरी वालों ने अपनी रणनीति के तहत काफी मात्रा में सूखे कंटीले पेड़-पौधे काटकर पहले से ही आग लगाने की योजना बना रखी थी। तब हारकर पीछे लौटते हुए जॉर्ज के सैनिकों ने अपने सैनिक को जिन्दा आग मे फेंकता देखकर फिर से साहस जुटाने का निर्णय किया और एक बार फिर से युद्ध होने लगा। इस बार बेरी वासियों को हार का सामना करना पड़ा। बेरी वासी आस-पास के जंगल को कूच कर गए तथा कुछ गढ़ी में लौटने लगे। लेकिन इस बार जॉर्ज के सैनिकों ने बेरी की गढ़ी में प्रवेश करके वहां भी कत्लेआम कर डाला। बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

बेरी के बाद अगले वर्ष जॉर्ज ने काहनौर वासियों से भी एक दिन का युद्ध लड़ा था। जॉर्ज थॉमस ने भी वर्ष 1797 में अपना मुख्यालय झज्जर की अपेक्षा हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। वहीं पर उसको वर्ष 1801 में मराठा सेना के सामने आत्म समपर्ण करना पड़ा था।

झज्जर जिले के कस्बा बेरी में स्थित माता भीमेश्वरी देवी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

फिर लौटेगा हरियाणवी फिल्मों का सुनहरा दौर : गीतू परी

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी सिनेमा जगत की मशहूर एक्ट्रेस और प्रॉड्यूसर गीतू परी अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' को लेकर आजकल काफ़ी चर्चा में हैं। गीतू परी ने वीडियो सॉन्ग बखत, जुगनी, फकीरा और हरियाणवी स्टेज ऐप की फिल्म '12वीं आला प्यार', चौधर-पार्ट 1 और 2, अखाड़ा 2, वनवास, बूढ़ी काकी, अहंकार के अलावा हरियाणवी चौपाल ऐप पर फिल्म 'कच्छे धारी' आदि फिल्मों में अभिनय के जौहर दिखाए हैं।

अभिनेत्री एवं निर्मात्री गीतू परी का जन्म हरियाणा के जिला गोहाना में कोहला गांव में पिता चतर सिंह और माता मायावती के घर में हुआ। जब वह 5 साल की थीं तब इनका परिवार जींद में रहने लगा। इनकी शुरुआती पढ़ाई जींद से ही हुई। जब ये आठवीं क्लास में थी, तब अभिनय में रुचि पैदा हुई और इन्होंने स्कूल में ही नाटकों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। दसवीं क्लास तक आते-आते इनकी शादी हो गई। शादी के बाद गीतू परी गृहस्थी में उलझ कर रह गईं पर एक्टिंग से दूर होने का दुःख उन्हें लगातार सालता रहा। ससुराल में उन्होंने विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए दिल्ली में 'आर्ट एंड क्राफ्ट' में टीचर की जॉब की। बाद में जॉब छोड़कर एक फैशन शो में हिस्सा लिया। शो के दौरान ही उन्हें एक फिल्म में एक्टिंग करने का ऑफर आया जिसमें एक मां का कैरेक्टर था। इसके लिए उन्हें अपने परिवार की स्वीकृति मिल गई और इस प्रकार 2017 में पहली बार गीतू परी फिल्म 'अनकही' में कैमरे से रुबरु हुईं। उसके बाद से वह अनवरत बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं और अभिनय के क्षेत्र में निरंतर सफलता की ऊंचाइयों को छू रही हैं। गीतू परी ने अपने परिवार, कला और अभिनय से सम्बंधित अनेक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। फिल्मों में आने के लिए उनका सबसे पहला संघर्ष उनके अपने परिवार से था। पहले तो उनके मायके पक्ष या ससुराल पक्ष ने उनको सपोर्ट ही नहीं किया था। गीतू परी बताती हैं कि 'मेरे अंदर कहीं ना कहीं एक जज्बा था कि मुझे एक्टिंग लाइन में काम करना है, बच्चे बड़े होने के बाद अपने हस्बैंड के सपोर्ट से मैंने फिर से एक्टिंग लाइन में कदम रखा।' गीतू परी अभिनय के साथ फिल्म निर्माण से भी जुड़ी रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने और हरियाणवी इंडस्ट्री ने मुझे इतना प्यार और सहयोग दिया है। हरियाणा में सिनेमा को लेकर बहुत अच्छा काम हो रहा है। मैंने कई फिल्में लिख रखी हैं, उन सब फिल्मों को पर्दे पर उतारने की मेरी पूरी पूरी कोशिश रहेगी। हरियाणवी सिनेमा की स्थिति के बारे में पूछने पर गीतू परी कहती हैं कि फिल्म 'चंद्रावल' ने अपने समय में एक मुकाम हासिल किया था और उसके काफी टाइम बाद राजीव भाटिया की फिल्म 'पगड़ी' से एक उम्मीद जागी और फिर संदीप शर्मा की फिल्म सतरंगी और यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' ने वही फिल्म चंद्रावल जैसा माहौल थियेटर में बना दिया।

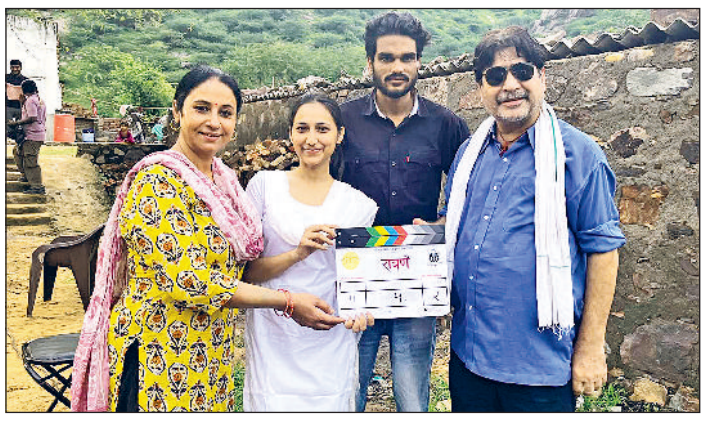

फिल्म 'दादा लख्मी' से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा के निर्देशन में बनी हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लख्मी' गीतू परी के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म को राष्ट्रीय अवार्ड समेत सैकड़ों देशी-विदेशी अवार्ड मिले हैं। इस फिल्म से गीतू परी को भी ब्रेक मिला। अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' के विषय में गीतू परी ने बताया कि हरियाणवी स्टेज पर उनकी आने वाली फिल्म 'सांगी' हरियाणवी संस्कृति को दर्शाती है। इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें हैं। वे बताती हैं कि यह एक जूनूनी बच्चे की स्टोरी है। इसमें बहुत सारे नए और पुराने कलाकारों ने काम किया है। इस फिल्म में 12 गाने हरियाणा के लोगों को देखने और सुनने को मिलेंगे। यह कहानी अपने आप में पूरे हरियाणा को समेटे हुए होगी। वह करीब दो साल से इस स्टोरी पर काम कर रही थी। इसके डायरेक्टर रविंद्र बजवान अन्ना हैं जिन्होंने फिल्म को बहुत अच्छे से डायरेक्ट किया है। गीतू के आगामी प्रोजेक्ट में बाबा जी की कुटिया, छन्नू ताई ,खजनी शेरगढ़ वाली, आदि कई वीडियो गीत और शार्ट फिल्में हैं। फिलहाल इन पर काम चल रहा है। वर्तमान में ओटीटी प्लेटफार्म आने से थियेटर वालों के लिए चिंता बढ़ी है, ऐसी स्थिति में गीतू परी को नहीं लगता है कि ओटीटी आने से थियेटर पर कोई असर पड़ेगा क्योंकि थिएटर पर ढाई से 3 घंटे की फिल्म देखी जाती है और ओटीटी पर शॉर्ट फिल्म, वेब सीरीज, आदि ने अपनी जगह बनाई हुई है। ओटीटी के आने के बाद भी लोग थियेटर में जाकर फिल्म देखना पसंद करते हैं।

खबर संक्षेप

भिवानी। हनुमान जोहड़ी में पितृ तर्पण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कलश यात्रा से शुरू हुई श्रीमद भागवत कथा

भिवानी। पितृ पक्ष के अवसर पर हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी तालाब (सरोवर) में भव्य पितर तर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस शुभ आयोजन का संचालन बालयोगी महंत चरणदास के सान्निध्य में किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में एकत्र होकर अपने पितरों की शांति और मोक्ष की प्रार्थना के लिए सरोवर में स्नान कर पितर तर्पण कर रहे हैं। इस कड़ी में रविवार को हनुमान जोहड़ी मंदिर में श्री मदभागवत कथा महापुराण का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ।

चरखी दादरी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरईडी विद्यालय में मनाया हिंदी दिवस

चरखी दादरी। आरईडी विद्यालय चरखी में हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया। हिंदी हमारे देश की अमूल्य धरोहर है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने इस दिवस के महत्त्व को दर्शाया। इसका मूल उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी के उद्भव और विकास तथा इसकी विशिष्टता से अवगत कराना था। इस अवसर पर छात्रों द्वारा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें उर्मि और दक्षिता ने मंच संचालन, अमरजीत ने सुविचार, राम ने समाचार, प्रगति ने नया शब्द, ओवी, तेजस, प्रीना ने कविता वाचन, यशिका ने हिंदी भाषा की महत्ता पर भाषण व मयंक ने हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रस्तुत की। इसके साथ ही कक्षा नर्सरी से दूसरी के छात्रों ने हिंदी के स्वर, व्यंजन व भाषा के मौखिक व लिखित रूप को दर्शाकर सुंदर प्रस्तुति दी। प्राचार्य सिकंदर पूनिया ने बताया कि हर भाषा का अपना विशेष महत्त्व होता है।

सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा कारी को मातृ शोक

बाढड़ा। पात्र अध्यापक संघ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष और सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा कारी की माता श्रीमती मायकौर का शनिवार १* सितंबर को ब्रेन हैमरेज होने के कारण आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। मायकौर 84 वर्ष की बहुत ही धार्मिक विचारों की औरत थी। कल सायं चार बजे उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। वो अपना भरा पूरा परिवार छोड़ के प्रभु चरणों में विलीन हो गई।

प्रहरी सोसायटी के तालमेल का असर...

ओवरब्रीज के सर्विस रोड पर काम हुआ शुरू, शहरवासियों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

कहते है कि प्रयास करने वाले की हार नहीं होती। यह बात सच साबित शहर की पर्यावरण प्रहरी वैलफेयर सोसायटी पर हुई। विगत में शहर के मौजिज लोगों ने लोहारू रोड रेलवे ओवरब्रीज के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कमेटी का गठन किया था। ताकि ओवरब्रीज के निर्माण में आने वाली तकनीकी अड़चनों को दूर किया जा सके। इसी क्रम में पर्यावरण प्रहरी वैलफेयर सोसायटी का गठन किया और कमेटी के सदस्यों ने रेलवे ओवरब्रीज के साथ लगते सर्विस रोड को बनवाए जाने को लेकर रेलवे अधिकारियों से तालमेल बैठाया। अधिकारियों से बातचीत करने के बाद रविवार को ही रेलवे अधिकारियों ने सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू कर दिया। रोड पर बने सभी गड्ढों में रोडियां आदि डलवाई और उसके बाद उस जीएसबी डलवा कर रोड रोलर भी चलवा दी। जिस वजह से वाहनों का आवागमन आराम से हो पाएगा। रेलवे द्वारा उक्त कार्य करवाए जाने पर शहर के लोगों ने कमेटी के सदस्यों का आभार भी जताया। वहीं कमेटी के सदस्यों ने सर्विस रोड पर कार्य करवाए जाने को लेकर रेलवे अधिकारियों का भी आभार जताया। यहां यह बताते चले कि निर्माणाधीन ओवरब्रीज के पास से बनने वाले सर्विस रोड खस्ताहाल में था और आए दिन तिपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे। अब गड्ढे भरे जाने के बाद दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा। जिस वक्त रेलवे ने कार्य शुरू करवाया है।

भिवानी। निर्माणाधीन सर्विस रोड का निरीक्षण करते कमेटी के सदस्य तथा निर्माणाधीन सर्विस रोड का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

क्यों पड़ी कमेटी के गठन की गरूरत

विगत में लोहारू रोड पर बनने वाले ओवरब्रीज का निर्माण कछुआ चाल से चल रहा है। साथ सर्विस रोड न होने की वजह से वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। यहां तक कई घंटों तक जाम में फंसा रहना पड़ रहा है। साथ में सर्विस रोड पर अनेक जगहों पर गड्ढे होने की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं घट रही थी। कमेटी के गठन के बाद पार्षद सुभाष व संदीप यादव ने रेलवे के कार्यकारी अभियंता से इस बारे में सम्पर्क किया और सर्विस रोड की समस्या बताई। कुछ देर बाद अधिकारी ने सारे तकनीकी पहलू जाचंने के बाद जल्द कार्य शुरू करवाने का भरोसा दिलाया। उसी क्रम में आज रेलवे ने ठेकेदार के माध्यम से सर्विस रोड पर कार्य शुरू करवा दिया है। जिस वक्त कार्य शुरू करवाया। उस वक्त कमेटी में शामिल राजेंद्र जांगड़ा, नई अनाजमंडी प्रधान नरेश कुमार उर्फ भुरु, जोगीराम मेहरा, ठाकुर रणधीर सिंह, सुंदर सिंह, नगरपरिषद पार्षद संदीप यादव आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत में आपसी सहमति से निपटाए मामले

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- आठ हजार नौ सौ निन्यानबे मामले अदालत में सुनवाई के लिए रखे गए

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आज शनिवार को चरखी दादरी न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें आम नागरिकों द्वारा आपसी सुलह और समझौते के आधार पर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरनजीत कौर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निधि सोलंकी, न्यायिक दंडाधिकारी मयंक गुप्ता तथा न्यायिक दंडाधिकारी लक्ष्य गर्ग ने मामलों की सुनवाई की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन दुर्घटना अधिनियम, बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, चेक बाउंस, वैवाहिक मामलों की सुनवाई की गई। कोर्ट केसों के साथ-साथ बैंक रिकवरी तथा बिजली से संबंधित मामलों की भी लोक अदालत में सुनवाई की गई। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में आठ हजार नौ सौ निन्यानबे मामले अदालत में सुनवाई के लिए रखे गए। जिसमें से सात हजार पांच मामलों का मौके पर निपटारा कर दिया गया तथा 3 करोड़ 10 लाख 18 हजार दो सौ चौंसठ की राशि अवॉर्ड के रूप में पास की गई। संजीव काजला ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य केसों का निपटारा लोगों की आपसी सहमति से करना है। इसलिए समय समय पर प्राधिकरण द्वारा लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। ताकि लोग अपने केसों का निपटारा सहमति से करवा सके व आपसी भाईचारा भी बना रहे। लोक अदालत में आने वाले लोगों ने कहा कि उन्हें इस प्रक्रिया से काफी राहत मिल रही है। पुराने विवादों का निपटारा होने से भी सभी पक्षों को लाभ हो रहा है।

भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा (सीटू) की मुख्य मांगे

बाढड़ा। बाढ़ के चलते मजदूरों के मकान क्षतिग्रत हुए है उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाए व पूरी तरह जिनके मकान बर्बाद हुए है उनके लिए रहने का प्रबंध किया जाए। निर्माण मजदूर बोर्ड की साइट खोली जाए व रुके हुए लाभों के साथ साथ, रोजगार हानि की क्षतिपूर्ति की जाए। सभी प्रवासी मजदूरों का फैमिली आईडी की अनिवार्यता हटाकर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। मनरेगा में सभी गांवों में तुरंत काम शुरू किया जाए, शहरी मजदूरों को भी काम दिया जाए व वेतन आठ सौ रूपये दैनिक हो।

सड़कों के सुधारीकरण व नवीनीकरण पर है प्रशासन का फोकसः मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- वीसी में डीसी ने मुख्यमंत्री के समक्ष जिला की विभागीय गतिविधियों से कराया अवगत

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला में बारिश के बाद सड़कों की नवीनीकरण एवं मरम्मत बारे जरुरी निर्देश दिए।

सड़कों के सुधार कार्य बारे ली गई वीडियो कॉन्फ्रेंस में डीसी डॉ नागपाल ने जिला की विकासात्मक गतिविधियों से अवगत कराया और आश्वास्त किया कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की अनुपालना प्रभावी रूप से की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को समय पर पूरा करवाए और गुणवत्ता सामग्री का विशेष रूप से ध्यान रखें। वीसी उपरांत डीसी डॉ मुनीष नागपाल ने जिला परिषद,लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें), हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, मार्केटिंग बोर्ड व शहरी निकाय के विभाग के अधिकारीयों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का सुधारीकरण व नवीनीकरण जल्द किया जाए। सड़कें गड्ढा मुक्त हों और राहगीरों को कोई परेशानी न आए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों की स्थिति सही सुनिश्चित हो इसके लिए विभागीय स्तर पर सजगता बरती जाए। सड़कों के सुधारीकरण व नवीनीकरण के दौरान निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर फोकस रखें और सेंपलिंग भी समयानुसार कराई जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों की हालत दुरुस्त रहे इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

पानी निकासी के किए जा रहे हर संभव प्रयासः डीसी

- सागवान में इलेक्ट्रिक नाव बनी लोगों का सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जिला प्रशासन द्वारा गांव सागवान में उपलब्ध करवाई गई इलेक्टिव नाव लोगों का काफी सहारा बनी है। लोग नाव के सहारे अपना सामान घरों से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं। वहीं डीसी साहिल गुप्ता ने अधिकारियों को पानी निकासी नियमित रूप से और तेज गति से करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि भारी बारिश के कारण जिला में कस्बा बवानी खेड़ा, गांव खरक, कलिंगा, सय, चांग, बडेसरा, मिताथल, मुंढाल, धनाना, सुखपुरा, तालु, जताई, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़, भैणी, अलखपुरा, सिवाना, पुर, जाटू लोहारी, मंढाना, प्रेम नगर, तिगड़ाना, जमालपुर, बवानी खेड़ा, बलियाली, दांग कला और खुर्द रामपुरा, रिवासा, सागवान और बीरन आदि जिला के करीब तीन दर्जन गांवों में जलभराव की स्थिति बनी। वहीं अनेक गांवों में फसलें प्रभावित हुई।

भिवानी। नाव के सहारे लोगों को पानी से बाहर निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

अस्थाई शैल्टर होम बनाए

वहीं जलभराव से प्रभावित लोगों के लिए बनाए गए अस्थाई शैल्टर होम की बात की जाए तो गांव प्रेम नगर, धनाना द्विघतीय, गांव खरक कलां, कालूवास, कलिंगा सवाई पाना, चांग आदि कई गांवों में जल भराव से प्रभावित लोगों ने आश्रय लिया हुआ है ताकि उनको किसी प्रकार से जान माल कि हानि ना हो। इसी के चलते डीसी साहिल गुप्ता ने नागरिकों से अपील की हुई है कि वे जल भराव से प्रभावित हैं तो वे प्रशासन की मदद से सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लें। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा जल भराव वाले क्षेत्र से पानी निकासी के हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। लेकिन लेकिन पानी की अधिकता के चलते ड्रेन भी पानी से लबालब हैं। वहीं गांव सागवान में सबसे अधिक जल भराव है।

- 25 सितंबर को रोहतक रैली में पहुंचने के लिए दिया न्योता

इनेलो के लिए हमेशा आमजन का हित ही सबसे बडा लक्ष्यः सुनैना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

अगर आज सही मायनों में चौधरी देवीलाल के सपने को पूरा करने के लिए कोई पार्टी प्रतिबद्ध है तो वो केवल इंडियन नेशनल लोकदल ही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की अगुवाई में केवल जन सेवा ही पार्टी का एक मात्र लक्ष्य है। देवीलाल के जीवन का मूल लक्ष्य था कि आम गरीब जनता के हितों की रक्षा के लिए अगर बड़े से बड़ा बलिदान देना पडे तो वो राजनीति में मौका बडे ही भाग्य से मिलता है उन्होंने अपने जीवन काल में प्रधानमंत्री पद के बजाए सारे देश की सेवा के लिए उपप्रधानमंत्री के पद को चुना तो उनके नक्शे कदम पर चलते हुए अभय चौटाला ने भी बिना किसी झिझक के विधायक पद से इस्तीफा देकर साबित कर दिया था कि इनेलों के लिए हमेशा आम जन का हित ही सबसे बडा लक्ष्य है। यह बात सुनैना चौटाला ने रविवार को क्षेत्र के विभिन्न स्थानों रानीला, कमोद, रावलधी, मोरवाला, लोहरवाड़ा, गामडी, चरखी दादरी, पांडवान, बिरही, कालूवाला आदि में जनसंपर्क के दौरान कही। सुनेना चौटाला आज इनेलों द्वारा आगामी 25 सितंबर को रोहतक में आयोजित सम्मान समारोह का निमंत्रण देने के लिए सभी से मिलकर कर अधिक से अधिक शिरकत करने का न्यौता दे रही थी।

भिवानी। लोगों को 25 सितम्बर को रोहतक में होने वाले सम्मान समारोह का निमंत्रण देते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

उनके साथ महिला प्रदेश अध्यक्ष तनुजा कश्यप, जिला प्रभारी विजय पंचगामा, जिला अध्यक्ष सूबे सिंह अटेला, हलका अध्यक्ष जयभगवान ठेकेदार, महिला जिला अध्यक्ष इंदु फोगाट, और सभी पदाधिकारी, महेंद्र जाखड़, जितेंद्र सांगवान, बंटी सांगवान, पप्पल फोगाट, राजिंदर ढीखाड़ा, अमरदीप शर्मा जिला प्रेस प्रवक्ता, सोनू मोडी इत्यादि थे।

10 करोड़ रुपये की स्ट्रीट लाइटों से दूर होगा ग्रामीण क्षेत्र का अंधेरा : मलिक

तोशाम। आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए गलियों में लगी स्ट्रीट लाइट।

- स्ट्रीट लाइट लगने से तोशाम के मोहल्ले भी दूधिया रोशनी से हुए जगमग

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

देर रात्रि तोशाम की भारीवासिया धर्मशाला में जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि कृष्ण मलिक ने स्वजनों से बैठक कर बिजली, पानी आदि सहित अन्य समस्या सुनते हुए बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।

इस दौरान उन्होंने पानी के लिए संबंधित विभाग के एसडीओ विक्रम पूनिया से फोन पर बात की तथा गांव की विभिन्न गलियों में अंधेरा दूर करने के लिए सुबह ही लाइट लगवाने के कार्य शुरू करने को कहा। वहीं स्ट्रीट लाइटों के मामले में भिवानी जिला परिषद की चेयरपर्सन अनिता मलिक ने कहा कि जिले में लाइट लगने का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। जिससे जिला परिषद कोटे के करीबन 10 रुपये रुपए की राशि से लगी स्ट्रीट लाइटों से भिवानी जिले के ग्रामीण क्षेत्र का अंधेरा दूर हो रहा है। वहीं लाइट लगने से महिलाओं को रात्रि में घूमने में सुविधा होगी व चोरी व नशे की घटनाओं में भी कमी आएगी। मलिक का कहना था कि आज तक किसी भी मंत्री व सांसद ने ग्रामीण इलाके में एक भी लाइट नहीं लगवाई। जबकि जो अपने घर व परिवार का होता है वो अपनों के बीच बैठकर कार्य करते हैं व उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ग्राम पंचायत तोशाम के पंच इन्द्र कुमार, रामनिवास वर्मा, सुरेश कटारिया, दयानंद, हरनाम चावला, गोविंद मिड्ढा, बिल्ला, शेखर, सतबीर डाकिया, रतन भारीवासिया, राम शरणम भारीवासिया, मोनू भारीवासिया, मोहन मोर, सुरेंद्र मोर, संजय मिड्ढा, राधेश्याम, प्रवीण गर्ग, मनीष, मोनू शर्मा, भानी कटारिया, राम प्यारी, संतोष, सुशीला, सरोज, माया, बबली, कृष्णा, बाला, प्रेम, जगवंती, रचना, सीमा, सुनीता, प्रीति, विमल, सीमा शर्मा, निशा मस्ताना आदि महिलाओं सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

डीआरओ राजकुमार ने बाढ़ड़ा व हंसावास गांवों का दौरा कर फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढड़ा

जिला राजस्व अधिकारी डीआरओ राजकुमार ने विवार को बाढ़ड़ा और हंसावास गांवों के खेतों का दौरा कर हाल ही में हुई बारिश और मौसम खराबी से प्रभावित फसलों का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उपमंडल समेत समस्त चरखी दादरी जिले में बरसात ने सितंबर माह के हालात में पूरी तरह बदलाव ला दिया है। पूर्व में किसान खरीफ सीजन की फसलों की कटाई व कपास की चुगाई में व्यस्त रहता था वहीं मौजूदा दौर में केवल घर पर निठल्ला बैठकर अपनी फसलों की बर्बादी देखकर रुआंसा नजर आ रहा है। पिछले दिनों 9 सितंबर को दोपहर तक मौसम साफ रहने पर किसान अपने खेत के हालात देखने पहुंचे तो उनके होश फाख्ता हो गए क्योंकि कपास, ग्वार में फल न आने व बरसात व तेज हवाओं से पौधे भूमि पर बिछ गए वहीं बाजरे के पौधों की सिरटी पर ही दोबारा अंकुरित होती नजर आई जिससे किसानों में रोष फैल गया। किसान विजय हंसावास, करतार गोपी, धर्मेंद्र श्योराण, सुर्यप्रकाश, सत्यनारायण शर्मा, शीशराम धनखड़, रामफल श्योराण ने बताया कि क्षेत्र में बड़े स्तर पर फसलें बर्बाद हो गई हैं वहीं उनके जीवन में पहली बार इतनी लंबी बरसात देखी है जिसमें 24 घंटे में एक बार कम से कम 20 एम एम बरसात हो ही रही थी।

- जीवन में पहली बार इतनी लंबी बरसात देखी है

बाढड़ा। गांव हंसावास में फसलों का निरीक्षण करते डीआरओ राजकुमार।

सांग समाज को जगाने आ जोड़ने का काम करता : कौशिक

भिवानी। गांव बापोड़ा में श्राद्ध पक्ष को लेकर दो दिवसीय सांग महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने शिरकत की तथा अध्यक्षता नरेश थानेदार पैमान ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सांग हमारी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, संगीत और संस्कारों का समावेश है। सांग एक ऐसी विधा है जो समाज को जगाने और जोड़ने का काम करता है। चिरकाल से सांग मनोरंजन के साथ-साथ हमें राजाओं-महाराजाओं के किस्से कहानियों पर आधारित तथा ऐतिहासिक व पौराणिक बातों से रूबरू करता है। सांग आमजन मानस में आपसी प्रेम व भाईचारा बढ़ाता है क्योंकि सांग प्रेम मोहब्बत का संदेश देता है वहीं कुछ सांग देशभक्ति और मर्यादा पर चलने का संदेश भी देते हैं। हनुमान कौशिक ने कहा कि मेरा मानना है कि हमें अपनी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों से सुसज्जित संसार की संरचना का आज भी प्रभाव नजर आता है। इस अवसर पर

ज्ञानचंद गुलाटी, जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रामगोपाल सैनी बने सीएम विंडो एमीनेन्ट पर्सन

बवानीखेड़ा। सीएमम विंडो एमीनेंट पर्सन के रूप में जिला चुनाव प्रबंधन जिला अध्यक्ष ज्ञानचंद गुलाटी, जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रामगोपाल सैनी आदि को चुने जाने पर सभी एमीनेंट पर्सन द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली, विधायक कपूर वाल्मीकि, जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र कौशिक सहित पार्टी के शीर्ष नेत्वक का आभार व्यक्त किया। सभी ने बताया कि उन्हें जिस पद के लिए चुना गया है वे उसे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ वहन करेंगे।

12 अक्तूबर को होने वाले समारोह की तैयारियों पर दिया जोर

एकता के लिए खतरा है धर्म परिवर्तन की साजिशें

- देशविरोधी व समाजविरोधी गतिविधियों के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ेगी करणी सेना : दीपक बामल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राजपूत धर्मशाला में रविवार को करणी सेना जिला कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें आगामी 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाले भव्य करणी सेना दीवाली मिलन समारोह की तैयारियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा ने की, जिसमें जिले भर के कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी समारोह की रूपरेखा तैयार करना, जिम्मेदारियों का बंटवारा करना और कार्यक्रम को देश-धर्म के प्रति समर्पित बनाने के लिए रणनीति तैयार करना था। प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा ने कहा कि यह आयोजन करणी सेना के सामाजिक और धार्मिक उद्देश्य को प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित करणी सैनी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

देशविरोधी और समाजविरोधी गतिविधियों को रोकना जरूरी

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरे उत्साह व निष्ठा के साथ मिलन समारोह को सफल बनाएं। इस अवसर पर करणी सेना युवा शक्ति के राष्ट्रीय महामंत्री व हरियाणा प्रभारी दीपक बामल ने भी संबोधन किया। उन्होंने कहा कि भिवानी व हरियाणा में धर्म परिवर्तन की साजिशें सक्रिय रूप से चल रही है, जो समाज की एकता व धर्म के लिए खतरा है। उन्होंने कड़े स्वर में कहा कि यदि इस प्रकार की देशविरोधी और समाजविरोधी गतिविधियों को नहीं रोका गया तो करणी सेना बिल्कुल भी बख्शेगी नहीं। इसके साथ ही उन्होंने जिला कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे तन-मन-धन से जुटकर कार्यक्रम में अधिक से अधिक समाजबंधुओं को शामिल करवाएं, ताकि यह मिलन समारोह यादगार बन सके। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू के मुख्य अतिथि के रूप में आने की पुष्टि भी की गई। इसके अलावा प्रदेश व जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी भी इस आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। विभिन्न जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा भी किया गया, ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी ना रह जाए। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य पूरी तत्परता और अनुशासन के साथ कार्य करने का संकल्प भी लिया गया। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य आकर्षण के

खबर संक्षेप

बवानीखेड़ा। प्रतिभा खोज परीक्षा के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित गणमान्य लोग।

मिलकपुर में होगा प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

बवानीखेड़ा। ग्राम विकास मंडल मिलकपुर की ओर से गांव में शिक्षा और प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 1 नवंबर 2025 को प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन स्थल आदर्श ग्रामीण सीनियर सेकेंडरी स्कूल मिलकपुर रहेगा । इस अवसर पर रविवार सुबह ग्राम विकास मंडल की विशेष बैठक का आयोजन बाबा बलदेव मुनि के मंदिर में किया गया, जिसकी अध्यक्षता ग्राम विकास मंडल के प्रधान राजेश यादव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परीक्षा का आयोजन गांव स्तर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जाएगा। यह परीक्षा विशेष रूप से कक्षा छटी से बाहरवीं तक के उन सभी बच्चों के लिए होगी, जो मिलकपुर गांव के निवासी हैं जो कहीं भी अध्ययनरत हैं।

सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन पद पर नियुक्ति

बहल। प्रदेश सरकार द्वारा जनसमस्याओं के निदान के लिए सरकार व आमजन के बीच कड़ी के रूप में प्रदेश भर में 467 कार्यकर्ताओं की सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन पद पर नियुक्ति की है। भिवानी जिले की चारों विस में पांच पांच सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन बनाए गए है। लोहारू विस के नियुक्त किए गए एमिनेंट पर्सन में तीन कार्यकर्ता बहल मंडल से व एक एक कार्यकर्ता सिवानी व लोहारू मंडल से लिए गए है। लोहारू विधानसभा में जिन कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हुई है उनमें सबसे ज्यादा अवसर बहल मंडल के कार्यकर्ताओं को मिला है। बहल में जिन तीन कार्यकर्ताओं को यह नई जिम्मेवारी मिली है उनमें बहल भाजपा के पूर्व मंडल प्रधान सुनील शर्मा व मोरका से नरेश भोरखा शामिल है। सुनील शर्मा वर्तमान में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष होने के साथ साथ मेटेंनेंस ट्रिब्यूनल के सदस्य भी है।

सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखते हैं महापुरुषों की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम

महाराजा अग्रसेन का जीवन संघर्ष व समाज के उत्थान का उदाहरण करता है प्रस्तुत : मंत्री

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक घनश्याम सर्राफ ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

श्री अग्रवाल सभा (रजि.) भिवानी द्वारा आयोजित 16 दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की भव्य श्रृंखला के तहत शनिवार देर सांय स्थानीय नई अनाज मंडी में एक भव्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जो कि रविवार सुबह साढ़े तीन बजे तक चला। इस कवि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य साहित्य व संस्कृति को बढ़ावा देना और महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना बताया गया।

इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल रहे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाजसेवी बृजलाल सर्राफ पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक घनश्याम सर्राफ ने की। कवि सम्मेलन में चिराग जैन ने त्याग दी हर कामना निष्काम बनने के लिए, तीन पहरों तक तपादिन शाम बनने के लिए, घर नगर परिवार ममता प्रेम अपनापन और दुलार, राम ने खोया बहुत श्री राम बनने के लिए। सरिता शर्मा ने प्राण को प्रीत से संवारों तो तुम

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन मंत्री विपुल गोयल व विधायक घनश्याम सर्राफ।

अहंकार मन के मारो तो, श्याम बैकुंठ छोड़ आयेंगे, द्रोपदी की तरह पुकारों तो। प्रीति अग्रवाल ने वंदे वंदे वंदे वंदे वंदे मातरम, मेरी आन-बाण-शान और स्वाभिमान है, तन-मन-धन प्राण ये हमारी पहचान, अधिरो ने पल-पल किया गुणागान है।

दिनेश रघुवंशी ने हमारे वास्ते सपना सलोना बन गयी अम्मा, जमी पर लेटकर अक्सर बिछोना बन गई अम्मा, रूला देती है, अब भी याद उन बचपन के मेलों की, खिलौने दे ना पाई तो खिलौना बन गई अम्मा। हरिओम पंवार ने क्या ये देश उन्ही का है, जो सीमा पर मर जाते है, अपना खून बहाकर टीका सरहद पर कर जाते है, कोई युद्ध वतन की खातिर सबको लडना पड़ता है, संकट की घडिय़ों में सबको सैनिक बनना पड़ता हैळ, जो भी कोम वतन की खातिर मरने को तैयार नहीं, उसकी संतान को आजादी जीने का अधिकार नहीं। अनिल अग्रवंशी ने सत्ता को संभालते ही मोदी ने ऐलान किया कि खुद नहीं खाऊंगा और खाने नहीं दूंगा मै और अखिलेश बोले, अब जिंदगी में राहुल को अपनी साईकिल चलाने नहीं दूंगा, अपनी प्रस्तुतियां दी।

काव्यात्मक सोच होगी विकसित

कार्यक्रम के आरंभ में श्री अग्रवाल सभा (रजि.) भिवानी के प्रधान सुनील सर्राफ ने बताया कि यह कवि सम्मेलन सिर्फ महाराजा अग्रसेन जयंती का उत्सव नहीं, अपितु साहित्य प्रेमियों को एक साथ लाने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ना केवल महाराजा अग्रसेन जी के समर्पण व न्याय के आदर्श को लोगों तक पहुँचाना है, बल्कि युवा पीढ़ी में साहित्यिक रुचि और काव्यात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करना है। पूर्व प्रधान विजय बंसल टैनी ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल समाज को जोडने का माध्यम हैं, बल्कि यह हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जोड़े रखते हैं।

एकता की भावना होती है मजबूत

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एक ऐसे समाज सुधारक थे, जिनका जीवन संघर्ष और समाज के उत्थान का उदाहरण प्रस्तुत करता है। ऐसे मौके पर साहित्यिक रंग में रंगा कार्यक्रम ना केवल सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करता है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण धरोहर को भी संजोता है। हमें गर्व है कि आज हम इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन के न्याय और समता के विचार को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी कवि सम्मेलनों का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी बनी कर्मचारियों के लिए गले की फांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- मंत्री, एसीएस, डायरेक्टर झूठा आश्वासन देकर झाड़ लेते है पल्ला
- नियमों को ताक पर रखकर पांच साल पहले किए थे क्लर्को के ट्रांसफर
- 23 सितंबर को डीसी दफ्तरों पर दहाड़ेंगे कर्मी : लांबा

मंत्रीमंडल द्वारा पारित 2016 की ऑनलाईन ट्रांसफर पॉलिसी कर्मियों के गले की फांस बन चुकी है। सरकार व अफसरशाही ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का पिछले 9 सालों से गुणगान करती आ रही है। लेकिन जो कर्मचारी इस पॉलिसी का शिकार बन गया, वह कोर्टो के चक्कर काटने के बाद भी न्याय नहीं प्राप्त कर पाया। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश लांबा, जिला प्रधान सुकेश कुमार, सचिव कृष्ण रूपाणा, वरिष्ठ उपप्रधान कमल चंद्र सरोहा, राज्य सचिव सुमन रानी ने संयुक्त रूप से बताया कि शिक्षा विभाग फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों पर जबरन टीचर ऑनलाईन ट्रांसफर पॉलिसी थौंपकर पांच साल पहले क्लर्कों को दूर-दराज बदला गया था। पहले सरकार व अफसरशाही आश्वासन देती रही कि जल्द ही रास्ता निकाला जाएगा, फिर कहते रहे कि ट्रांसफर ड्राईव चलाया जाएगा, शिक्षा मंत्री, एसीएस व डायरेक्टर लगातार झूठा आश्वासन देकर अपना पल्ला झाडक़र कर्मियों को गुमराह करते रहे। अब मामूली वेतन प्राप्त क्लर्कों का धैर्य भी जवाब दे गया है।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के नाम पर मिडिल स्कूलों में पोस्ट कैप्ट कर ली गई। पदोन्नति उपरांत भी स्टेशन अलॉट करते समय पोस्टों को कैप्ट कर कर्मियों को दूर-दराज स्टेशन अलॉट कर अफसरशाही मनमानी कर रही है।

दिन-रात गुलामों की तरह लिया जा रहा काम

उन्होंने बताया कि सरकार की रीढ़ कहलाने वाले कर्मियों से दिन-रात गुलामों की तरह काम लिया जा रहा है। शिक्षा विभाग फील्ड में काम करने वाले क्लर्कों के लिए पदोन्नति के भी अवसर नहीं है तथा वेतनमान भी बहुत ही कम है। ना ही वेतन, ना पेंशन, ना स्थानांतरण, ना प्रमोशन, लगातार बढ़ रही है टेंशन। एसोसिएशन ने अनेकों बार मंत्री व अधिकारियों के सामने कर्मियों का पक्ष रखा है, लेकिन ढ़ाक के तीन पात नहीं हो रही कोई सुनवाई, आंदोलन ही एकमात्र रास्ता। इसीलिए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सांझी मांगों को लागू करवाने के लिए आगामी 23 सितंबर को राज्य भर में डीसी दफ्तरों पर पड़ाव डाले जाएंगे। जिसमें शिक्षा विभाग में काम करने वाले मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी भी बढ़-चढक़र भाग लेंगे। इसकी व्यापक तैयारियों को लेकर 17 व 18 को सभी ब्लॉकों में कार्यकर्ता कन्वेंशन की जाएंगी।

23 के प्रदर्शन में शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी भी लेंगे भाग

केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों से कर्मचारी वर्ग खफा

- रेशनेलाईजेशन के नाम पर पदों को समाप्त करने की साजिश का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर आगामी 23 सितंबर को देश भर में कच्चे व पक्के कर्मी अपनी मांगों को लेकर डीसी दफ्तरों पर एक दिवसीय पड़ाव डालेंगे। जिसकी व्यापक तैयारियों को लेकर सभी राज्यों में कर्मचारी मीटिंग, कन्वेंशन व जनसंपर्क अभियान चलाए हुए है। केंद्र व राज्य सरकारों की नीतियों से खफा कर्मचारी अब लांबद्ध हो गया है। देश व्यापी एक दिवसीय पड़ाव को लेकर कर्मियों में काफी उत्साह है। हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी की ओर से प्रभु सिंह, रामपाल शर्मा, दलेर राणा, कपिल सिरोही, हितेंद्र सिहाग व मुकेश खरब ने बताया कि इस देश व्यापी पड़ाव में शिक्षा विभाग में काम करने वाले शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी भी भाग लेंगे। केंद्र सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर स्कूली शिक्षा को उजाडऩा चाहती है।

स्कूलों को लगातार मर्ज किया जा रहा है। शिक्षा को गरीब आदमी से सरकार छीनना चाहती है। केंद्र व राज्य सरकार लगातार सरकारी विभागों में आऊटसोर्सिंग, ठेका प्रथा, निजीकरण की नीतियों को लागू कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने में जुटी हुई है। रेशनेलाईजेशन के नाम पर शिक्षा विभाग में शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मियों के पदों को बड़ी तेजी से समाप्त किया जा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक शिक्षा का विस्तार किया जाए, वर्कलोड अनुसार नए पद स्वीकृत किए जाए, कच्चे कर्मियों को पक्का, 25 अगस्त 2014 मंत्रीमंडल का फैसला लागू करने, शिक्षक/गैर शिक्षक कर्मियों के सभी वर्गो की पदोन्नतियां, हरियाणा वेतन आयोग का गठन, तत्काल स्थानांतरण, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति रद्द करने, पुरानी पेंशन बहाली करने की मांग रखी जाएगी।

चौधरी बंसीलाल विवि के कर्मचारियों ने जॉब सिक्योरिटी के लिए भरी हुंकार

- विश्वविद्यालय के कर्मचारी शिक्षा व्यवस्था की रीढ़
- सीएम के बयान का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए उस बयान का पुरजोर विरोध किया है, जिसमें कहा गया था कि विश्वविद्यालय कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी नहीं दी जाएगी। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित नॉन-टीचिंग कर्मचारी संघ, हरियाणा की भिवानी इकाई ने विश्वविद्यालय परिसर में एक बैठक आयोजित कर इस फैसले को अन्यायपूर्ण बताया।

इस दौरान करीब 115 कर्मचारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस बैठक में नॉन-टीचिंग कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश संयोजक रणबीर बांगड़वा ने कहा कि विश्वविद्यालय कर्मचारी शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं।

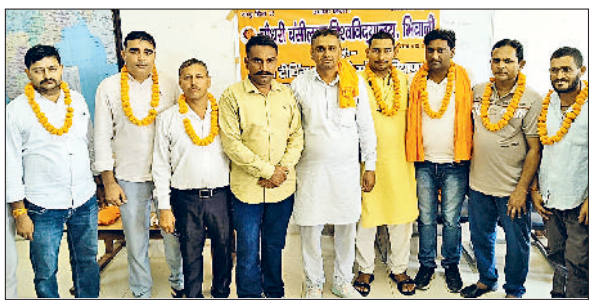

उन्हें जॉब सिक्योरिटी से वंचित रखना उनकी भावनाओं को आहत करता है। उन्होंने साफ किया कि उनका संघ लोकतांत्रिक तरीके से कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करेगा और सरकार से इस भेदभावपूर्ण नीति को तुरंत वापस लेने की मांग करेगा। भारतीय मजदूर संघ, भिवानी के जिला मंत्री संदीप बागनवाला ने सरकार की दोहरी नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार अन्य विभागों के कर्मचारियों को सुरक्षा देती है, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय कर्मचारियों को इससे बाहर रखा जा रहा है, जो कि अस्वीकार्य है। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ, भिवानी के जिला अध्यक्ष इमरान ने भी इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी गठित की

बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। इसमें प्रदीप भारद्वाज को अध्यक्ष, भंवर सिंह और पारस को उपाध्यक्ष, सचिन नीतू को सचिव, वीरेंद्र और नवीन को सह सचिव, परमजीत राणा को कोषाध्यक्ष और कनिका बंसल व जितेंद्र चौहान को सह कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप भारद्वाज ने कहा कि अब विश्वविद्यालय कर्मचारी चुप नहीं बैठेंगे। उनका संगठन पूरी पारदर्शिता और मजबूती के साथ अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेगा। सचिव सचिन नीतू ने कहा कि संगठन हर कर्मचारी का परिवार है और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से उठाया जाएगा।

चरखी दादरी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

ग्रीन मिडोज स्कूल के शिक्षकों को किया सम्मानित

चरखी दादरी। हिन्दी दिवस के अवसर पर आज त्रिवेणी डेन्टल अस्पताल के द्वारा गांव चरखी स्थित ग्रीन मिडोज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत त्रिवेणी डेन्टल अस्पताल के संचालक डॉ. कपिल शर्मा ने की। इस अवसर पर डॉ. शिव, डॉ0 व .पी. आर. ओ. अंकुर, विद्यालय के प्राचार्य सुरेश सांगवान, योगेंद्र सांगवान, रविन्द्र सांगवान, प्रवक्ता मुकेश कुमार, नरेश कुमार, रमन, विकास व अन्य अध्यापक उपस्थित रहे। डॉ. शिव ने मातृभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला व शिक्षक व शिक्षा को समाज एवं मानवता के लिए उपयोगी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर विचार किया। वहीं डॉ. ऋद्धि, पी.आर.ओ. अकुंर ने संस्थान द्वारा किए जा रहे सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यों का उल्लेख किया। विद्यालय के प्राचार्य सुरेश सांगवान ने त्रिवेणी डेन्टल अस्पताल की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

बहल। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती देते प्रतिभागी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

गोकुलपुरा खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव-2025 का आयोजन

बहल। बहल में खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव-2025 का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ हुआ। इसमें खंड की 23 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला समन्वयक संजय सैनी एवं खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। समूह नृत्य, एकल नृत्य, रागनी व लघु नाटिका जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति की छटा बिखेरी। हरियाणा की संस्कृति के लिए अनेक मॉडल भी प्रस्तुत किए गए। संजय सैनी ने इसे बहल का ऐतिहासिक कार्यक्रम बताया तथा जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया का संदेश बच्चों तक पहुंचाया। सीनियर वर्ग में समूहगान में राजकीय उच्च विद्यालय गोकलपुरा प्रथम व राजकीय माध्यमिक विद्यालय बहल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओबरा, राजकीय माध्यमिक विद्यालय सुरपुरा खुर्द, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पातवान ने एक-एक प्रतियोगिता में अपनी जीत दर्ज की। इस अवसर पर सुनीलकुमार, प्राचार्य राजवीर सिंह, प्रहलाद सिंह, राकेश कुमार, सविन्द्र सिंह, संदीव टंडन भी उपस्थित रहे। राजकीय उच्च विद्यालय गोकलपुरा चैम्पियन रहा। सभी को प्रमाण पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

हिंदी केवल भाषा नहीं हमारी आत्मा की आवाज : मांढी

बाढड़ा। प्रवक्ता संतोष का यह कथन हिंदी केवल एक भाषा नहीं, हमारी आत्मा की आवाज है केवल एक वा1य नहीं, बल्कि हिंदी की महiा को समझाने वाला एक भावनात्मक उद्घोष है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि हिंदी सिर्फ शब्दो का समूह नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारे संस्कार, और हमारी संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाढड़ा में बतौर प्रवक्ता संतोष का कहना है कि हिंदी भाषा नहीं, भावों की अभिव्यक्ति है । हिंदी वह पहली आवाज होती है जिसे हमने बचपन में सुना, वह पहला शब्द होता है जिसे हमने बोलना सीखा, और वही भाषा है जो दुख, सुख, प्रेम, पीड़ा और गर्व हर भावना को सहजता से अभिव्यक्त कर देती है। उन्होंने कहा है कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है, और हिंदी इस विविधता को जोडने वाली एक मजबूत कड़ी है।

हिंदी भाषा के उत्थान में योगदान देने वाले 15 अध्यापकों का सम्मान

- चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा हिंदी दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुरप द्वारा रविवार को हिंदी दिवस पर स्थानीय जाट धर्मशाला के सामने स्थित कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र में भ्भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करना और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अध्यापकों के साथ-साथ निबंध लेखन प्रतियोगिता में सफल छात्रों को सम्मानित करना था। समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में हरियाणा एससी कमीशन के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुजर और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया, प्रोमिला सुहाग भी उपस्थित थी। इस अवसर पर सभी ने हिंदी भाषा के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और इसके गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने की। मंच का संचालन दीपमाला और सरोज कौशिक ने किया। जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को एक सुचारु और संगठित तरीके से आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी गाइडस/रेंजर्स कैप्टन पुष्पा देवी, सह ग्रुप लीडर अमित कुमार और सह ग्रुप लीडर अंकित कुमार थे, जिनकी देखरेख में पूरा आयोजन हुआ।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक मोतीलाल को सम्मानित करते हुए।

मार्केट न्यूज

एमके हॉस्पिटल द्वारा राम कुंज, हांसी गेट, भिवानी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

भिवानी। एमके हॉस्पिटल ने जेसीआई भिवानी डायमंड के सौजन्य से राम कुंज, हांसी गेट, भिवानी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 370 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। यह पहल शहरी समुदाय को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिविर में सामान्य चिकित्सा, बीपी, शुगर, खून की जांच, ईसीजी, मैमोग्राफी, पीएफटी, बीएमडी, न्यूरोपैथी सहित अनेक आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। साथ ही, मरीजों को आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क वितरित की गईं। एमके हॉस्पिटल के 20 अनुभवी चिकित्सकों की टीम – जिसमें सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपी एवं गैस्ट्रो सर्जन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, यूरो सर्जन, जनरल सर्जन, आपातकालीन व क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपिस्ट, मेडिकल ऑफिसर्स तथा नर्सिंग स्टाफ ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अस्पताल टीम ने कहा कि –"हमारा उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है।

17 को धरना स्थल पर ग्रामीणों व चौगामा खाप की पंचायत होगी

सहमति को लागू करवाने के वास्ते दो दिन दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जिला के गांव प्रहलादगढ़ के किसान रमेश यादव के मामले को लेकर किसान संगठनों, प्रहलादगढ़ के ग्रामीणों की 21 सदस्यी संयुक्त कमेटी व एनआरएसएस ट्रांसमिशन टावर कंपनी अधिकरियों के बीच किसान धरना स्थल पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी बातचीत हुई तथा मौखिक तौर पर यह सहमति बनी कि गांव के किसानों के कंपनी के कार्य में सुचारू रूप से काम करने में पूर्ण सहयोग करेंगे तथा कम्पनी अधिकारियों ने इस आश्वासन के आधार पर किसान रमेश यादव के खिलाफ सदर थाने में दर्ज हुई एफआईआर रद्द करवाने, किसानों को बाजार भाव पर फसल मुआवजा देने, प्रयोग किए हुए खेत को पहले जैसा समतल करने व किसान रमेश यादव को कुछ आर्थिक मदद करने पर सहमति दी है। परंतु कंपनी अधिकारियों ने कहा कि उनकी यह सहमति उनके उच्च अभिरारियों की स्वीकृति के बाद लागू करवाएंगे।

उधर किसान सभा व अन्य संगठनों व ग्रामीणों का कहना है कि जब तक आपसी बातचीत में हुई सहमति को लागू नहीं किया जाएगा, तब तक उनका आन्दोलन जारी रहेगा और उसने सहमति को लागू करवाने वास्ते कंपनी को दो दिन दिए हैं। तब तक उनका धरना जारी रहेगा और 17 सितंबर को धरना स्थल पर किसानों, ग्रामीणों व चौगामा खाप की महापंचायत होगी। उसमें कम्पनी के विरुद्ध कार्यवाही करने का ठोस निर्णय लिया जाएगा।

भिवानी। गांव प्रहलादगढ में आयोजित महापंचायत में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

पीड़ित किसान के परिवार को न्याय दिलाने के लिए उनके आंदोलन में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई नहीं बरती जाएगी।

दोनों पक्षो में बातचीत में प्रहलादगढ़ गांव की तरफ से सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश, पूर्व सरपंच सुबे सिंह, वीरेन्द्र नंबरदार, सुभाष यादव, रमेश का बेटा हेमंत यादव सहित कमेटी के सदस्य, किसान सभा जिला प्रधान रामफल देशवाल, उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश, सभा ब्लाक प्रधान संतोष देशवाल, ब्लाक कोषाध्यक्ष प्रताप सिंह सिंहमार व कंपनी की तरफ के एसडीओ अनुज यादव, जेई संजय कुमार शामिल रहे।

बातचीत के बाद धरने को संबोधित करते हुए कमेटी के सदस्यों ने जिला पुलिस प्रशासन से आपसी बातचीत को सिरे चढ़ाने हेतु सहयोग करने की अपील की है ।

हमारी संस्कृति हमे विरासत से जोड़ती

भिवानी। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में युवा कमेटी लोहरवाड़ा ने 'एक पेड़ मेरे गांव के नाम ' अभियान की शुरुआत की हिंदी भाषा जितनी सरल, मधुर और सहज है, उतनी ही यह हमें हमारी संस्कृति और विरासत से जोड़ती है। गाँव के युवाओं और बच्चों ने मिलकर गाँव के विभिन्न स्थानों पर पौधा रोपण किया। इस अवसर पर सैकड़ों पौधे लगाए गए। जिसमें गांव के जोहड़ , शमशान घाट , बाबा सांवल नाथ मंदिर पर पेड़ लगा कर उन्हें संभालने की जिम्मेदारी ली। आगे भी अलग अलग स्थानों पर पेड़ लगाने का कार्य किया जाएगा युवाओं ने संदेश दिया कि हरे-भरे पेड़ हमारे गाँव की सुंदरता और स्वच्छ वातावरण के लिए आवश्यक हैं। गाँववासियों ने भी युवाओं के इस कदम की सराहना की और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। नवीन ढांडा, प्रदीप फौगाट, संदीप जांगड़ा, अमित झोका, सचिन शर्मा,यश, देव , मोनु , बी.आर.पी लोहरवाड़ा ने युवाओं के इस कार्य को ओर ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ाने का फैसला लिया।